IJARSCT
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
ISSN: 2581-9429
Volume 5, Issue 9, March 2025
Impact Factor: 7.67

शिक्षक दृष्टिकोण से प्राथमिक विद्यालयों में नैतिक एवं भावनात्मक विकास का मूल्यांकन

उदय कुमार[1] and डॉ. संगीता[2]

[1]शोधार्थी, विभाग शिक्षा शास्त्र

[2]सहायक प्रोफेसर, विभाग शिक्षा शास्त्र

सनराइज विश्वविद्यालय, अलवर, राजस्थान

सारांश

नैतिक एवं भावनात्मक विकास बालकों के समग्र व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, विशेष रूप से प्रारंभिक शिक्षा के स्तर पर। यह अध्ययन प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के दृष्टिकोण के माध्यम से यह मूल्यांकन करता है कि छात्रों में नैतिक मूल्यों जैसे ईमानदारी, करुणा, सहयोगिता तथा भावनात्मक गुणों जैसे आत्म-नियंत्रण, सहानुभूति और आत्मविश्वास का विकास किस हद तक हो पा रहा है। शोध में पाया गया कि अधिकांश शिक्षक नैतिक एवं भावनात्मक शिक्षा को आवश्यक मानते हैं, परंतु पाठ्यक्रम में इसके स्पष्ट निर्देशों की कमी, प्रशिक्षण का अभाव और सामाजिक परिवेश की जटिलता इसके प्रभावी क्रियान्वयन में बाधा उत्पन्न करती है। अध्ययन सुझाव देता है कि शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नैतिक शिक्षा को एक आवश्यक घटक के रूप में शामिल किया जाना चाहिए, साथ ही सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का बेहतर उपयोग किया जाना चाहिए ताकि छात्रों के नैतिक और भावनात्मक विकास को एक सशक्त दिशा मिल सके।

मुख्य संकेतक: - प्राथमिक शिक्षा, शिक्षक दृष्टिकोण, नैतिक विकास, मूल्य शिक्षा।